

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--- खण्ड 3--- उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राविकार से प्राप्तशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मई दिल्ली, शुक्र तर, अक्सुबर 7, 1977 ब्राहिटन 15, 1809

No. 433

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 7, 1377/ASVINA 15, 1899

इस भाग में भिश्व पुष्ठ संबरा दी जासी है जिसी कि यह प्रतग संकलन के कर मे एका जा सहे।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(STOCK EXCHANGE DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October 1977

S.O. 709(E)—The Central Government, having considered the application for renewal of recognition made under section 3 of the Securilies Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) lead with rule 7 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, by the Calcutta Stock Echange Association Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the Exchange) and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the said Act, recognition to the Exchange, under section 4 of the said Act for a further period of five years commencing on the 10th day of October, 1977, and ending with the 9th day of October, 1982, in respect of contracts in securities, subject to the conditions stated herein below and such other conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

CONDITIONS

1. No person shall be allowed to continue as President or Vice-President of the Exchange for a period of more than three consecutive years.

- 2. While the existing members may be allowed to continue irrespective of their educational qualifications, the new entrants shall be required to have passed matriculation or an equivalent examination for acquiring the membership of the Exchange.
- 3 The Articles of Association of the Exchange shall be amended for the purpose aforesaid as early as possible but in no case later than a period of one year from 10th October, 1977.

[No. F. 1/12/SE/77]

A. V. GANESAN, Jt. Secy.

वित संत्रालय

(दार्थिक कार्य विभाग)

(स्थाक एक्सबेंज प्रभाग)

प्रधिसूचना

नई विल्ली, 7 मन्तूबर, 1977

का० गा० 709 (ग्र).—केन्द्रीय सरकार, कलकत्ता स्टाक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड, कतक्ता (जिते इ त्यें शक्ते पश्चा एस्तचेज कहा गया है) द्वारा प्रतिभृति संविदा (विनियमन) विश्वम, 1957 के नियम 7 के साथ निश्त शिवमित्र (विनियमन) श्रिधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 3 के श्रन्तर्गत मान्यता का नवीकरण किये जाने के लिए दिए गये श्रावेदन पश्च पर जित्रार करने श्रीर इस बात से सन्तुष्ट होने के बाद कि एसा करना व्यापार के हिन में सथा लोकहित में भी होगा, उन्त श्रिधिनियम की धारा 4 के द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए एतव्ह्रारा इस एक्सचेंज को 10 श्रक्त्यर, 1977 से शुक्त होने वाली श्रीर श्रव्म व्यव्य को श्रीर श्रवधि के लि है, प्रतिभूतियों के संविद्याशों के सबध में नीचे दी गई शती श्रीर ऐसी श्रन्य शतीं के स्मान्तर जो बाद में निर्धारित की जाएंगी श्रय्य लागू की जाएगी, मान्यता प्रदान करती है।

शर्ते

- किसी भी व्यक्ति को लगातार तीन वर्ष से मधिक की भवधि के लिए एक्सचेंज का मध्यक्ष भयवा उनाध्यक्ष नहीं बने रहने दिया जाएगा ।
- 2. हालांकि वर्तमान सदस्यों को, चाहे उनकी शैक्षिक श्रहंसाएं कुछ भी हों, सदस्य बने रहने दिया जाएगा नेकिन नए व्यक्तियों के लिए एक्सचेज की सदस्यता प्राप्त करने के वास्ते मैद्रिक पास या उसके समकक्ष परीका पास होना जरूरी होगा ।
- 3 मंस्या की भ्रान्यनियमायली में उक्त प्रयोजन के लिए यथाशी झ संगोधन किया जाएगा लेकिन यह संगोधन किमी भो हालत में 10 श्रक्तूबर, 1977 में एक वर्ष की भ्रवधि के शन्दर-भ्रन्थर कर लिया जाएगा।

[संख्या एफ० 1/12/एस० ई०/77]

ए० वी० गणेशन, संयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्राणालय, मिन्टी रोड, नई दिल्ली झारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली झारा प्रकाशित 1977

ED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, ELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI 1977